

Publication	Hindustan
Edition	Ghaziabad
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	03
Date	07 <sup>th</sup> January 2019

# हिन्दुस्तान

## रैपिड रेल चार पड़ोसी राज्यों को करीब लाएगी

मेरठ/गाजियाबाद | हिटी

पांच साल में रैपिड रेल चार राज्यों को करीब ले आएगी। मेरठ से दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान का सफर हवाई जहाज की मानिंद सुखद और समय की बचत करने वाला होगा। रैपिड रेल के तीन कोरिडोर इसके लिए डिजाइन हो चुके हैं। तीनों को ही ग्राउंड पर लाने का काम तेज हो गया है, लेकिन सबसे पहले मेरठ-दिल्ली कोरिडोर पर काम होगा।

लोकसभा चुनावों के पहले केंद्र सरकार रैपिड रेल प्रोजेक्ट के तीनों कोरिडोर को काम शुरू होने की स्थिति में लाने की तैयारी में है। मेरठ-दिल्ली कोरिडोर सबसे आगे चल रहा है इसलिए इसका शिलान्यास सबसे पहले होगा। मार्च तक इस कोरिडोर का शुभारंभ होने

### सुरक्षित सफर

देश में सड़क यात्रा यातायात का सबसे असुरक्षित जरिया है। देश में सड़क दुर्घटनाओं के मामले में बेहद खतरनाक स्थिति है। रैपिड रेल इस लिहाज से सफर को बेहद सुरक्षित बनाएगी। रैपिड रेल आबादी के बोझ से दबी जा रही दिल्ली को बड़ी राहत देगी। साथ ही मेरठ शहर के विस्तार में बड़ी भूमिका निभाएगी। रोजाना दिल्ली आना जाना आसान होगा। मेरठ शहर बड़ा विस्तार लेगा।

की उम्मीद है। रैपिड रेल को 2024 में ट्रैक पर दौड़ाने का लक्ष्य रखा गया है। मेरठ-दिल्ली, दिल्ली-पानीपत, दिल्ली-अलवर कोरिडोर को इसी लक्ष्य के साथ प्लान किया गया है। रैपिड रेल के चलने से एनसीआर में चार राज्यों के अंदर

### जाम से मिलेगी राहत

एनसीआर में इस समय जाम बड़ी समस्या है और यह आर्थिक और पर्यावरण के लिहाज से बेहद नुकसानदायक है। एनसीआर में 58 हजार वर्ग किमी. में करीब 46 मिलियन लोग रहते हैं। एनसीआर की 39 प्रतिशत आबादी दिल्ली में रहती है, जो क्षेत्रफल में पूरे एनसीआर का महज तीन फीसदी है। देश के जीडीपी में एनसीआर की हिस्सेदारी सात फीसदी है। रैपिड रेल जहां समय, पर्यावरण और धन बचाएगी, वहीं आर्थिक तौर पर बड़े बदलाव लाएगी।

### उद्योगों में आएगी नई जान

मेरठ से दिल्ली के बीच रैपिड रेल चलेगी तो यहां कनेक्टिविटी तेज होने का सीधा असर औद्योगिक गतिविधियों पर पड़ेगा। उद्योगों के लिए यहां लोगों आवगमन सुलभ होगा। इससे यहां नौकरियों और बाजार के अवसर खुलेंगे।

सफर सुखद होगा।

**डीजल-पेट्रोल की खपत में कमी:** रैपिड रेल एनसीआर में ईंधन की खपत में भारी कमी करेगी। इससे विदेशों से डीजल-पेट्रोल के आयात में कमी आएगी और देश की आत्मनिर्भरता बढ़ेगी।

**प्रदूषण होगा कम:** रैपिड रेल घने बसे और भारी ट्रैफिक के दबाव वाले एनसीआर के क्षेत्र में प्रदूषण का स्तर कम करने में भी बड़ी सहायक होगी। 2024 में रैपिड रेल में रोजाना करीब सात लाख यात्री सफर करेंगे।